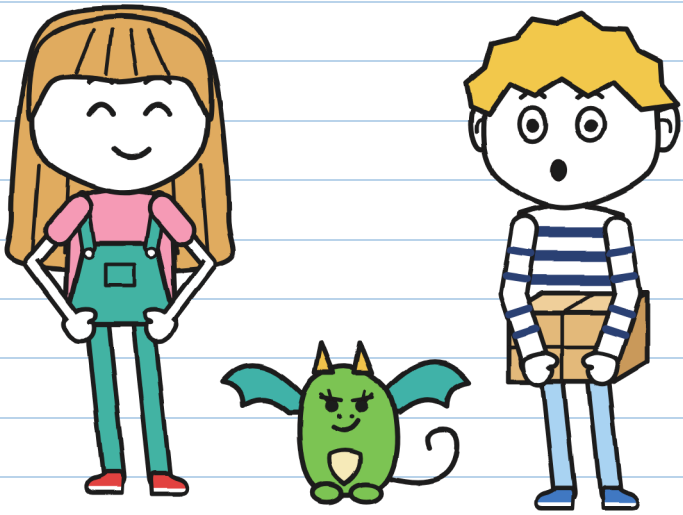
नामुमकिन डिलीवरी · 1

यह पार्सल काटता है

Lui Eriksson



(गुनी की डायरी)

साइज़ S
शुरुआती स्तर · 7+

नामुमकिन डिलीवरी · 1
यह पार्सल काटता है

लेखन और चित्र: Lui Eriksson

साइज़ S · शुरुआती स्तर · 7+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

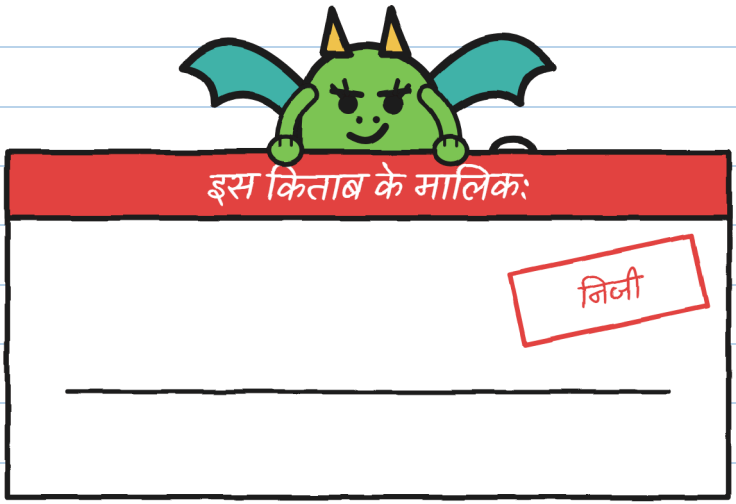
© 2026 Lui Eriksson · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो

इस किताब में कोई पार्सल घायल नहीं हुआ। लगभग कोई नहीं। –ज.

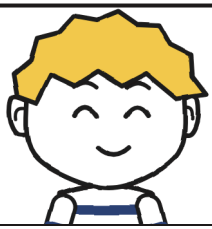


और किसी का नहीं। –ज.

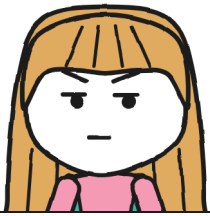
अगर यह तुम्हें मिल जाए, तो सुबह होने से पहले लौटा देना।

चूरा काटती है क्योंकि वह एक कहानी में रहती है। असली जानवर से मिलो, तो पेज 76 देखो। –ज.

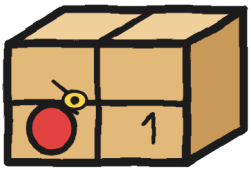
कौन कौन है



गुनी। मोहल्ले में नया लड़का। प्रोफेशनल डिलीवरी बॉय (लगभग)। यह डायरी उसकी है।



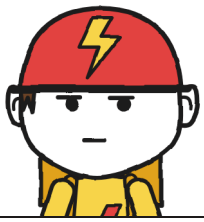
जूलिता। वह हरे रंग से लिखती है, और जो वह हरे रंग से लिखती है, वह कभी मिटता नहीं।



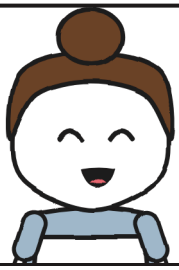
पार्सल नंबर 1। गंतव्य: ड्रैगनों का घर। निर्देश: गर्म रखें।



माशा। नामुमकिन डिलीवरी की मालकिन। उनका बस एक ही नियम है।



टोन्यो। "बिजली" का डिलीवरी बॉय। बहुत ही तेज़ी से बहुत ही बोरिंग चीज़ें पहुँचाता है।



एलिया। बेकरी वाली। उनकी जाली से ओवन की गर्म हवा निकलती है।

डिलीवरी डायरी
गुनी की

निजी।

"निजी": पहले मैं पढ़ूँगी। –ज.

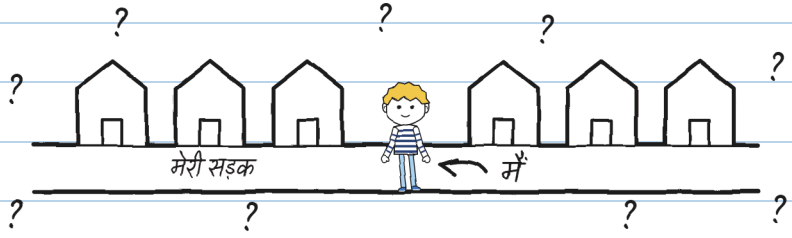


यह डायरी शिफ्टिंग वाले डिब्बे नंबर 14 से निकली। उस पर लिखा था "रसोई"। चम्मच? एक भी नहीं। बस यह डायरी, एक मोज़ा और एक रबर का मेंढक। मेंढक किसी का नहीं है।

अध्याय 1

जो पहुँचाया नहीं जा सकता

मुझे इस मोहल्ले में आए चार दिन हो गए। मुझे एक पूरी सड़क याद है।

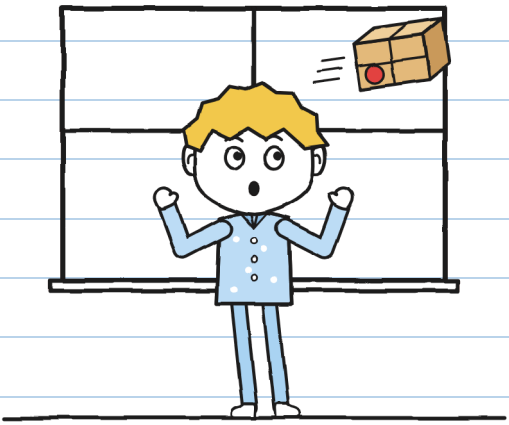


दोस्त बनाने का मेरा प्लान:

1. नमस्ते बोलना।
2. कोई दिलचस्प बात बोलना।
3. ???

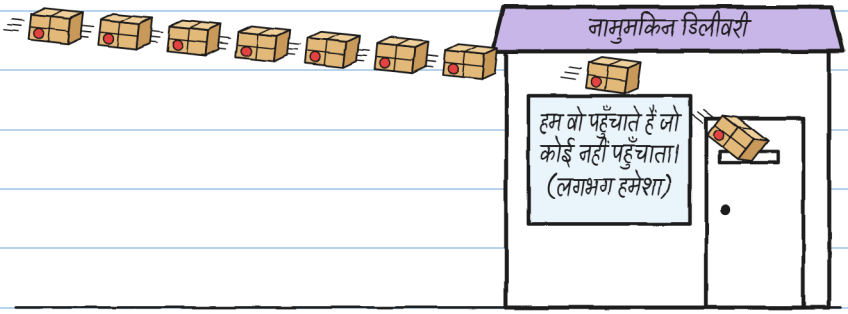
मैं पॉइंट 2 पर रुक गया। पॉइंट 3 का कुछ पता नहीं।

आज सुबह किसी चीज़ ने मुझे जगा दिया। वह मेरी खिड़की के सामने से उड़ती हुई निकली।



वह एक पार्सल था।

फिर एक और। और एक और। नौ पार्सल एक क़तार में, बत्तखों की तरह। उन्होंने सड़क पार की। फिर सामने वाली दुकान के लेटर बॉक्स में घुस गए। (बाक़ी ग्यारह पहले ही लौट चुके थे, जब मैं सो रहा था। यह मुझे बाद में पता चला।)

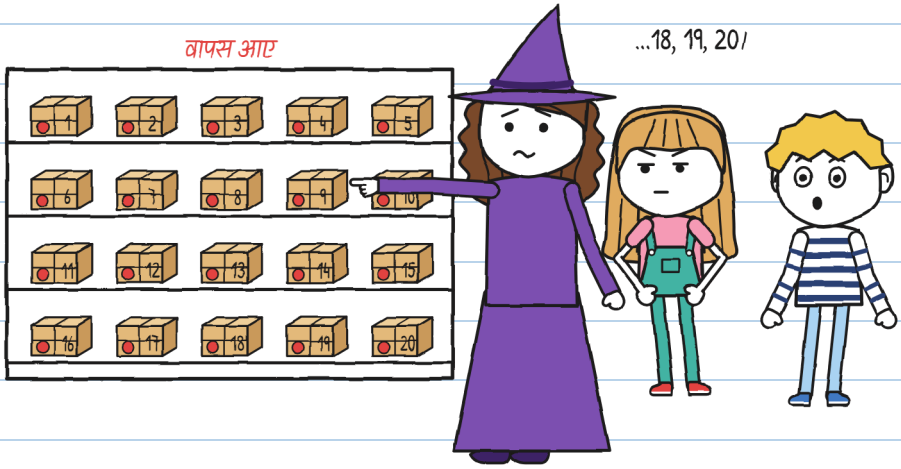


पॉइंट 2 मेरे पास था: उड़ते हुए पार्सल!

यह दिलचस्प नहीं है। ऐसा तो बहुत होता है।

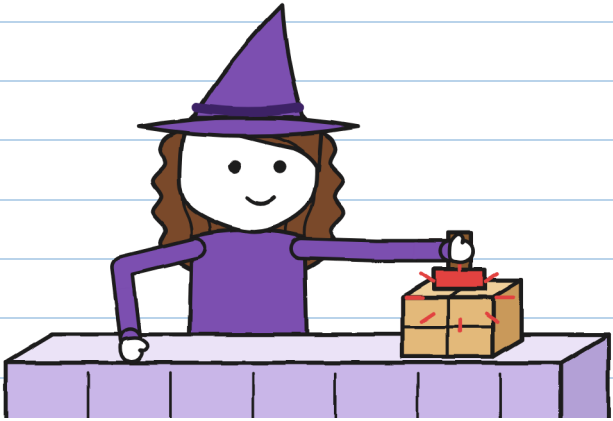
यह नोट जूलिता का है। उससे मैं आज सुबह ही सामने वाली दुकान में मिला था। जो वह हरे रंग से लिखती है, वह कभी मिटता नहीं। मैंने आज़माकर देखा है।

मैंने पजामे के ऊपर धारीदार स्वेटर पहन लिया। और सड़क पार कर ली।

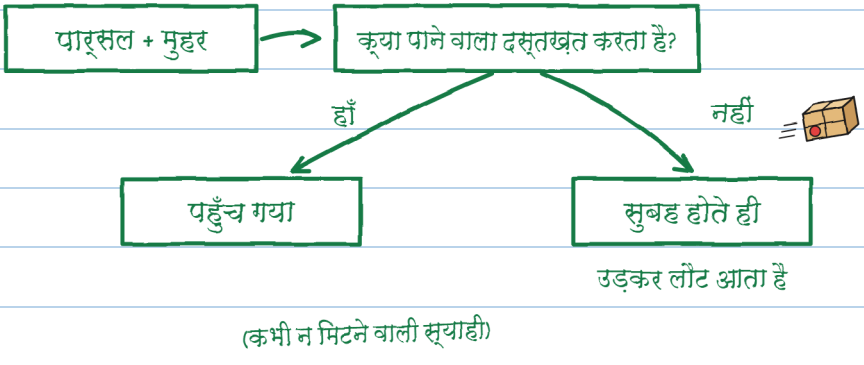


"सब वापस आ गए हैं," जादूगरनी ने कहा। "फिर से।"

जादूगरनी का नाम मारा है। उनकी नामुमकिन डिलीवरी की एक दुकान है। और उनके पास एक चमकने वाली मुहर है, पार्सलों पर निशान लगाने के लिए।



जूलिता ने मुझे यह मेरी ही डायरी में समझाया। बिना पूछे!



(कभी न मिटने वाली सूयाही)

ऐसे कोई पार्सल खोता नहीं। और पहुँचता भी नहीं।

शेल्फ़ पर बीस वापस आए पार्सल रखे हैं: कोई भी उन्हें पहुँचा नहीं सका। सब एक ही व्यक्ति की तरफ़ से आए हैं।

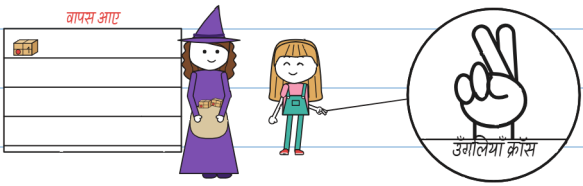
गंतव्य: ...
प्रेषक: R.

"R. कौन है?" मैंने पूछा।
"कोई, जिसकी लिखावट ख़राब है," मारा ने कहा।
बस इतना।

मारा ने उन्नीस पार्सल बोरे में डाले, फिर से कोशिश करने के लिए। उस रात उन्हें एक पियानो लाइटहाउस पहुँचाना था। वे सुबह होते ही लौटने वाली थीं। एक पार्सल रह गया।

"वो वाला नहीं पहुँचाया जा सकता," मारा ने कहा। "बस एक नियम है: शेल्फ़ को हाथ मत लगाना।"

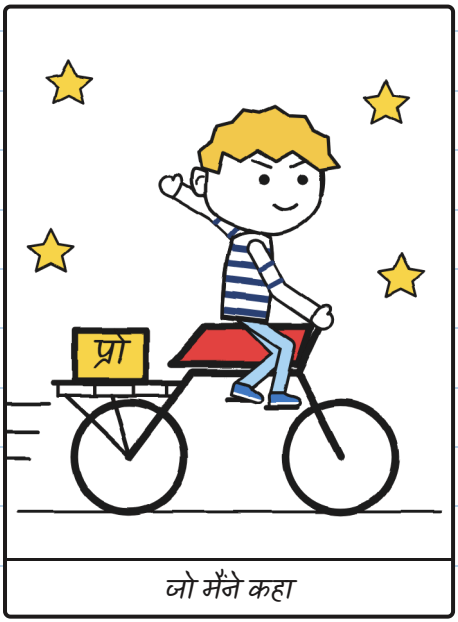
"हाँ-हाँ, बिल्कुल," जूलिता ने कहा।



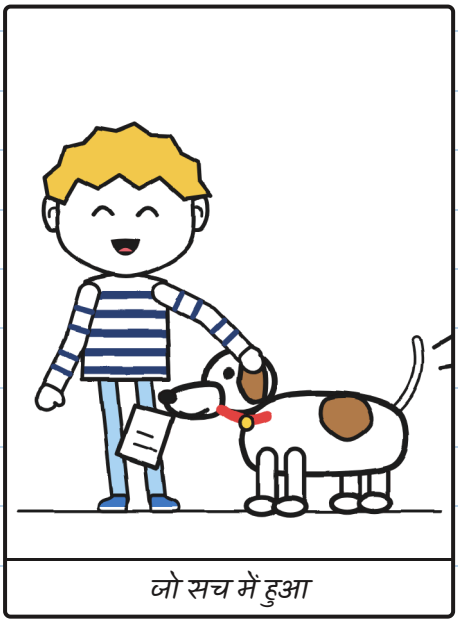
दरवाज़ा बंद हो गया। जूलिता ने मुझे ऊपर से नीचे तक देखा।
"तुम्हें डिलीवरी करना आता है?"

और मैंने वही कहा जो दोस्त बनाने के लिए कहा जाता है:

"हाँ। अपने दूसरे मोहल्ले में मैं प्रोफेशनल डिलीवरी बॉय था।"



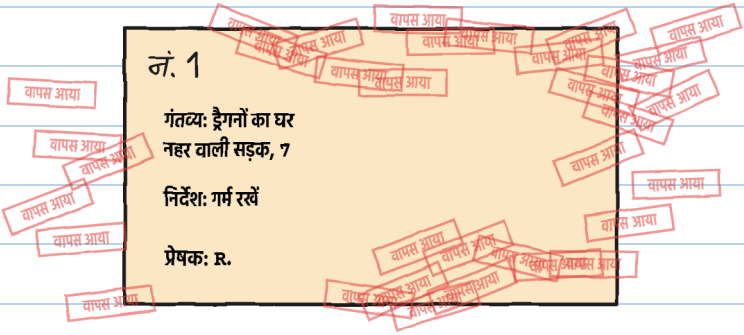
जो मैंने कहा



जो सच में हुआ

नाम का प्रोफेशनल।

जूलिता ने आख़िरी पार्सल निकाला। वह नंबर 1 था, जो पहुँचाया नहीं जा सकता। उसके हाथ काँप रहे थे। मेरे भी काँप रहे थे, पर मैं इसे बेहतर छिपा लेता था। मेरी एक ही चीज़ से पोल खुल रही थी: मैंने स्वेटर उलटा पहन रखा था!

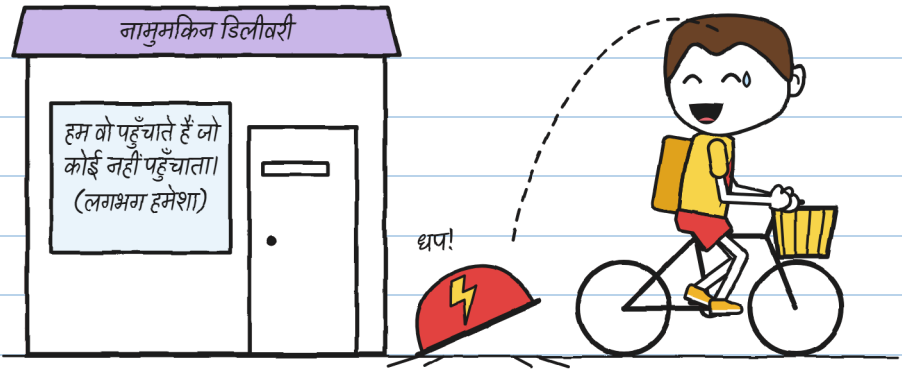


"चलो इसे सुबह होने से पहले पहुँचा देते हैं," जूलिता ने कहा। "तब मारा देखेंगी कि मुझे वापस आए पार्सल पहुँचाना आता है।"

"और अगर नहीं पहुँचा?"
"तो वह अपने आप लौट आएगा, और यहाँ कुछ हुआ ही नहीं।"

मुझे यह अच्छा प्लान लगा। मुझे अभी पता नहीं था कि अंदर क्या है।

ट्रिन! दुकान के शीशे में साइकिल पर एक लड़का दिखाई दिया। उसने हेलमेट पहन रखा था और पीला बैग टाँग रखा था: बिजली डिलीवरी। दस मिनट में या मुफ़्त।

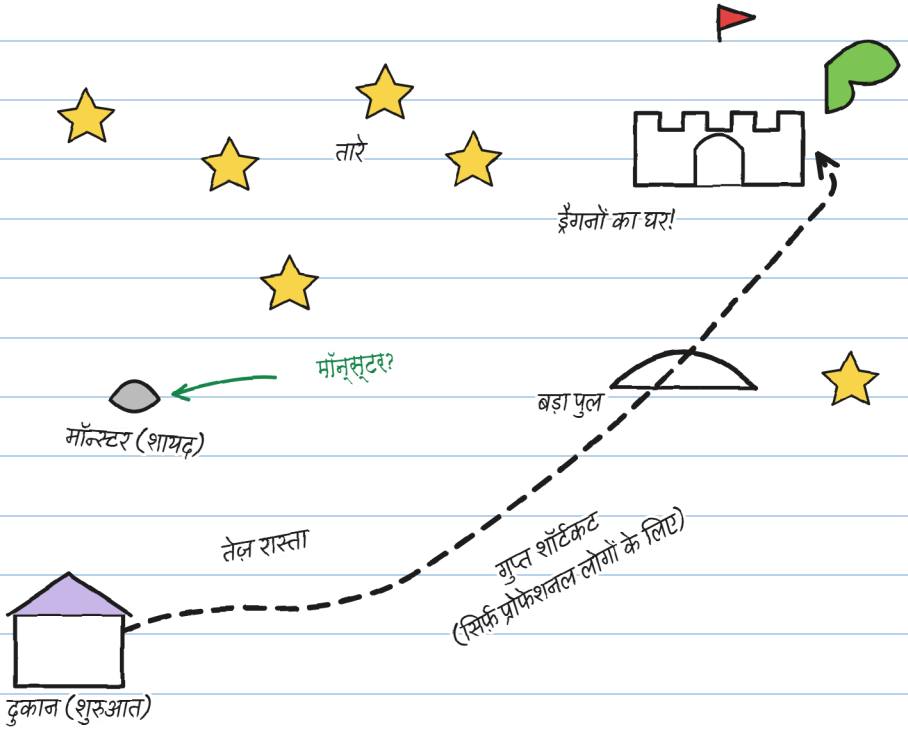


"नामुमकिन डिलीवरी? नामुमकिन!" उसने कहा। "तुम लोग तो कुछ पहुँचाते ही नहीं।"

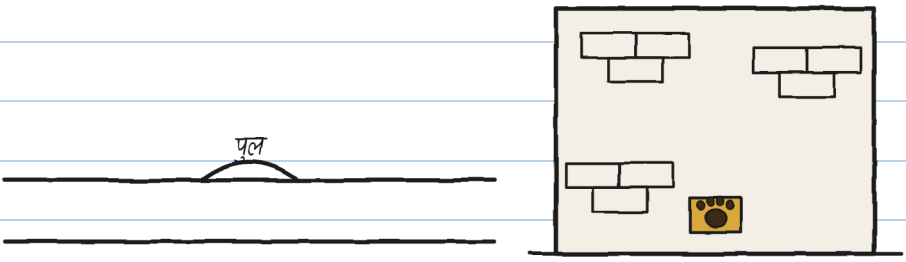
टोन्यो। बहुत ही तेज़ी से बहुत ही बोरिंग चीज़ें पहुँचाता है।

"आज हम यह पहुँचाएँगे," जूलिता ने कहा। टोन्यो ने "ड्रैगनों का घर" पढ़ा। वह इतना हँसा कि उसका हेलमेट गिर पड़ा।

मैंने डिलीवरी का नक़्शा बनाया। प्रोफेशनल लोग नक़्शे बनाते हैं।



तारे रास्ते में नहीं हैं।



नहर वाली सड़क, १

नहर वाली सड़क, १ कोई घर नहीं था। वह एक दीवार थी।

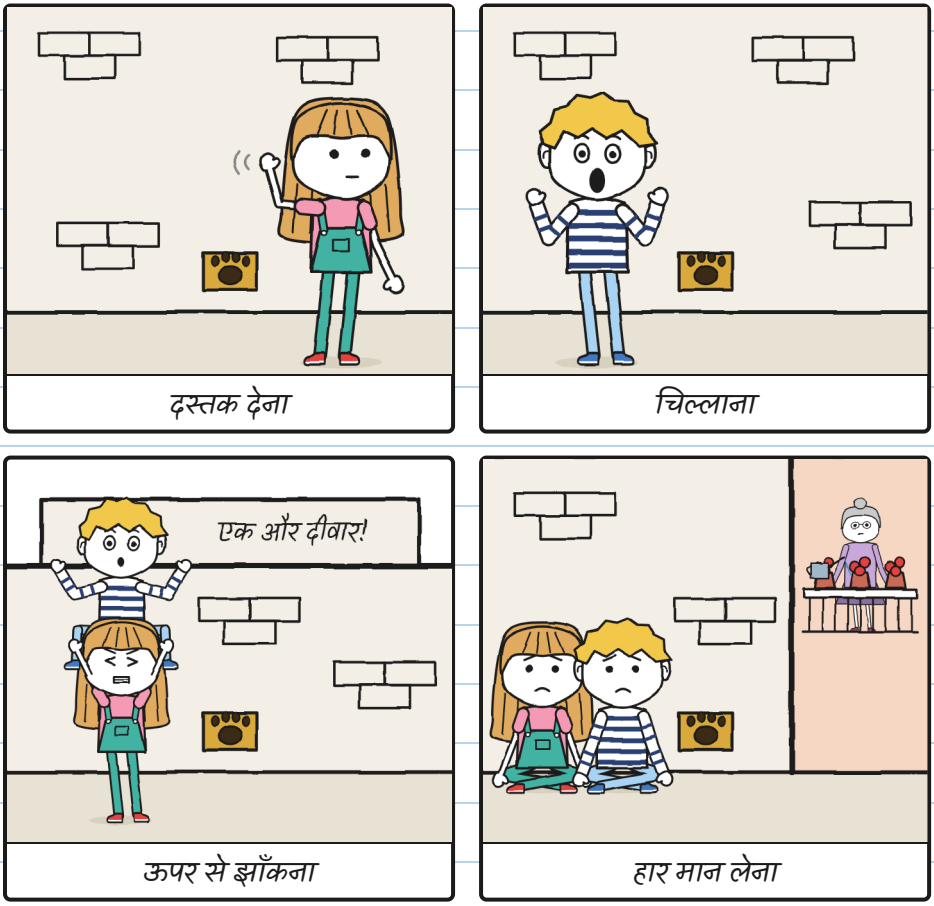
वह चिकनी थी, न दरवाज़ा, न खिड़की। बस पीतल की एक तख़्ती थी। वह बहुत नीचे थी, लगभग ज़मीन को छूती हुई। उसमें अजीब आकार का एक खाँचा बना था।



पीतल की तख़्ती

"लेटर बॉक्स?" मैंने कहा। पर पार्सल उसमें आ ही नहीं रहा था।

हमने दीवार के साथ सब कुछ आज़मा लिया:



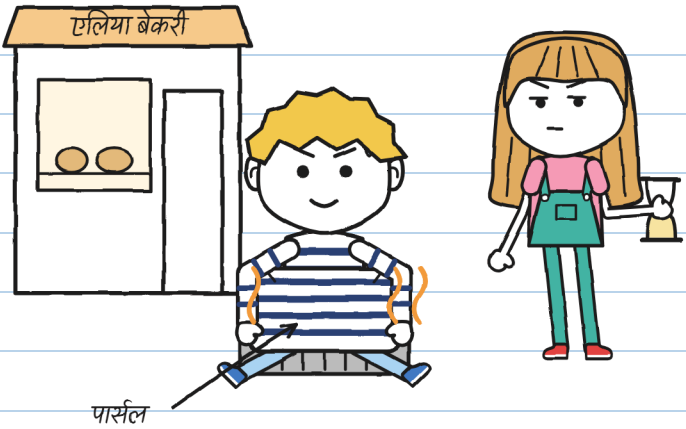
बगल वाली बालकनी में एक आंटी गमलों में पानी दे रही थीं। वे हमें देख रही थीं।

"यह पार्सल सालों से आ रहा है," उन्होंने कहा। "हर बार जैसा आता है, वैसा ही लौट जाता है।"

ठंड थी। जूलिता ने लेबल फिर से पढ़ा।
"लिखा है 'गर्म रखें'। और यह सालों से एक ठंडे शेल्फ़ पर पड़ा है।"

मैं नया हूँ। अगर "गर्म रखें" लिखा हो, तो मैं उसे गर्म रखता हूँ।

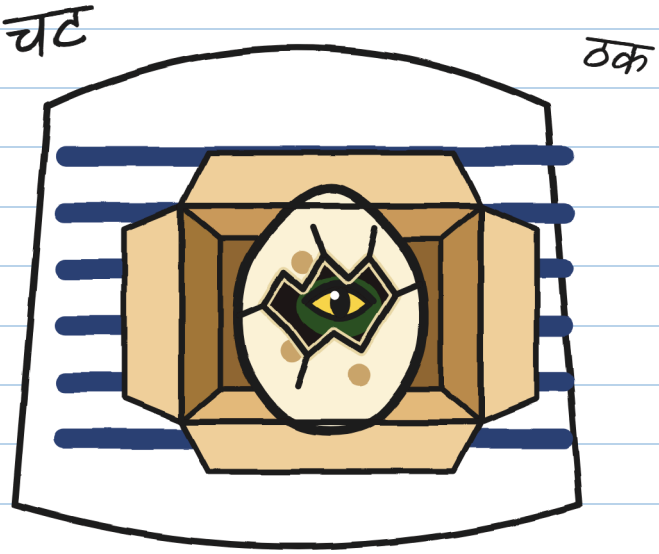
मैंने पार्सल स्वेटर के नीचे छिपा लिया। हमने फिर बड़ा पुल पार किया। मैं एलिया की बेकरी की जाली पर बैठ गया। वहाँ से ओवन की हवा निकलती है।



तुम तो पूरेगूनेंट लेटर बॉक्स लग रहे हो।

काफ़ी देर बीत गई। ब्रेड की ख़ुशबू आ रही थी। मुझे पसीना आ रहा था। तभी... ठक! किसी ने मेरे पेट पर दस्तक दी।

"तुम्हारा पेट?" जूलिता ने पूछा।
"मेरा पेट ठक नहीं करता।"



और पार्सल ने मुझे देखा।

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ। XXS, XS, S, M और L में वही पन्ने और वही चित्र हैं। XL एक उपन्यास है। बस कहानी सुनाने का तरीक़ा बदलता है।

साइज़ XXS · PRE-A1
आक्छी, ड्रैगन नन्ही लौ छींकती है!

साइज़ XS · A1
मैंने आम छींक मारी। उसने नन्ही लौ छींकी। लौ से लेबल का कोना जल गया।

साइज़ S · A2
मैंने ऐसे ही आम छींक मारी। उसने एक नन्ही-सी लौ छींकी। उस लौ से लेबल का एक कोना जल गया। फिर बच्ची ने वह कोना खा लिया।

साइज़ M · B1
मैं आम तरह से छींका, पर उसने एक नन्ही-सी लौ छींकी जिससे लेबल का कोना जल गया। फिर उसने वह जला हुआ कोना खा लिया।

साइज़ L · B2
मैं आम तरह से छींका; उसने, इसके उलट, एक नन्ही-सी लौ छींकी जिसने लेबल का कोना झुलसा दिया और फिर, बिल्कुल इत्मीनान से, वह झुलसा हुआ कोना खा लिया।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+

CEFR के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।

हर कोई अपने साइज़ में। कहानी वही। —ज.

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com पर करो